दिनांक 7 जून, 2017 को वन प्रबंधन एवं संरक्षण महासमिति द्वारा घाटशिला में पर्यावरण महोत्सव एवं "current menace of climate changes in Jharkhand" विषय पर आयोजित गोष्ठी में माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

मुझे वन प्रबंधन एवं संरक्षण महासमिति द्वारा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। मैं इस अवसर पर वन प्रबंधन एवं संरक्षण महासमिति को सुदूरवर्ती पिछड़े क्षेत्रों में पर्यावरण के प्रति कार्य करने हेतु बधाई देना चाहूँगी।

पर्यावरण सुरक्षा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। पर्यावरण प्रदूषण से आज समस्त विश्व चिन्तित हैं। पर्यावरण उत्सव मनाने का उद्देश्य पर्यावरण की अहमियत व इसके प्रति जागरूकता पैदा करना तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए किये जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहन देना है।

सूर्य की Ultra Violet Rays को धरती पर आने से रोकने वाली Ozone layer का सतही चादर पतली होती जा रही है और उसमें छिद्र की बातें भी सामने आ रही है। हमारे scientist भी इस हेतु गंभीर है।आज कैंसर रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रहा है, हो सकता है कि इसका एक कारण यह Ultra Violet Rays भी हो। धरती पर जीव–जन्तुओं का अस्तित्व बना रहे, इसके लिए सभी मानवजाति को कार्य करना होगा।

पर्यावरण असंतुलन के कारण बेमौसम अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़ इत्यादि में वृद्धि हो रही है, जिसके कारण करोड़ो लोग प्रभावित हो रहे हैं। निरंतर बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में वृक्षारोपण भी आवश्यक है। आज भू-गर्भ जल का स्तर नीचे जा रहा है। यदि हम प्रकृति की सुरक्षा हेतु नहीं चेते एवं प्रकृति की सुरक्षा हेतु तेजी से आगे नहीं बढ़े तो पृथ्वी के सभी जीव विनाश की ओर तेजी से आगे बढ़ेंगे। मेरा तो यह भी मानना है कि सिर्फ सरकारी भूमि पर ही वृक्षारोपण का कार्य न हों, बल्कि लोग निजी भूमि एवं घरों में भी पौधारोपण का कार्य करें। इससे एक ओर जल स्तर ठीक रहेगा, दूसरी ओर पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी यह सार्थक पहल होगा।

मनुष्य की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो एवं साथ ही साथ प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग हो, जिससे कि हमारा एवं हमारी भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित एवं सुखमय हो सके। अत: विकास के साथ-साथ पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखना प्रत्येक मानव का कर्त्तव्य है।

इस अवसर पर मैं सरकार के साथ सभी स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों का आह्वान करना चाहती हूँ कि वे अपने जीवन में अधिक-से-अधिक वृक्ष रोपण करें तथा पर्यावरण संरक्षण में अमूल्य योगदान दें ताकि आगे आनेवाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित हो सके।

जय हिन्द! जय झारखंड!